

Set No. 1

18P/252/24

Total No. of Printed Pages : 24

Question Booklet No.

00012

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (Write the digits in words) (2018)

Serial No. of OMR Answer Sheet

Centre Code No.

--	--	--	--

Day and Date

(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only **blue/black ball-point pen** in the space above and on both sides of the **Answer Sheet**)

1. Within 30 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card*.
3. *A separate OMR Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second OMR Answer Sheet shall not be provided. Only the OMR Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write all entries by blue/black pen in the space provided above.
5. *On the front page of the OMR Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, write the Question Booklet Number, Centre code Number and the Set Number wherever applicable in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR Answer Sheet and Roll No. and OMR Answer Sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the OMR Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the OMR Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the OMR Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the OMR Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. On completion of the Test, the candidate must handover the OMR Answer Sheet to the Invigilator in the examination room/hall. However, candidates are allowed to take away Test Booklet and copy of OMR Answer Sheet with them.
13. Candidates are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

18P/252/24

ROUGH WORK

रफ़ कार्य

18P/252/24

No. of Questions : 120

प्रश्नों की संख्या : 120

Time : 2 Hours

Full Marks : 360

समय : 2 घण्टे

पूर्णाङ्क : 360

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries **3 (Three)** marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer. Zero** mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न **3** (तीन) अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

01. अव्यक्तगणितं भवति

(1) सिद्धान्तगणितम्

(2) अंकगणितम्

(3) खगोलगणितम्

(4) रेखागणितम्

02. क्षययोः योगे भवति

(1) अन्तरम्

(2) युतिः

(3) योगान्तरम्

(4) न किमपि

18P/252/24

03. त्रयात् स्वात् द्वयम् ऋणं संशोध्य भवति

- | | |
|----------|---------------|
| (1) एकम् | (2) षट् |
| (3) पञ्च | (4) एकम् ऋणम् |

04. अनन्तः राशिः उच्यते

- | | |
|-------------|-----------|
| (1) खठरः | (2) महान् |
| (3) शून्यम् | (4) लघुः |

05. कृतिशब्दस्य अर्थः अस्ति

- | | |
|-----------|---------------|
| (1) घनः | (2) वर्गमूलम् |
| (3) वर्गः | (4) यशस्वी |

06. 169 इत्यस्य पदमस्ति

- | | |
|--------|--------|
| (1) 12 | (2) 11 |
| (3) 13 | (4) 14 |

07. 64 इत्यस्य घनमूलमस्ति

- | | |
|--------|--------|
| (1) 4 | (2) 8 |
| (3) 13 | (4) 14 |

08. “या² + का² - 2 या का” इति वर्गः अस्ति :

- | | |
|---|---|
| (1) (या + का) अस्य | (2) (या - का) अस्य |
| (3) (या ² + का ²) अस्य | (4) (या ² - का ²) अस्य |

09. या² 16 - या 48 + रू 36 इति वर्गः अस्ति

- | | |
|--------------------------|--------------------------|
| (1) (या 4 + रू 6) अस्य | (2) (या 4 - रू 6) अस्य |
| (3) (- या 4 + रू 6) अस्य | (4) (- या 4 - रू 6) अस्य |

10. यस्य राशेः मूले अपेक्षिते निरग्रं मूलं न सम्भवति स उच्यते

- | | |
|------------------|-------------|
| (1) वर्गमूलम् | (2) करणी |
| (3) वर्गप्रकृतिः | (4) कुट्टकः |

11. षोडशभिः द्रम्मैः भवति

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) घटकः | (2) पणः |
| (3) निष्क | (4) द्रम्मः |

12. 24 अङ्गुलानां भवति

- | | |
|------------|------------|
| (1) दण्डः | (2) हस्तः |
| (3) क्रोशः | (4) कर्षम् |

13. क्रोशचतुष्टयेन भवति

- | | |
|---------------|------------|
| (1) योजनम् | (2) वंशः |
| (3) निवर्तनम् | (4) खारिका |

14. 100000000 इत्युच्यते

- | | |
|--------------|--------------|
| (1) अयुतम् | (2) प्रयुतम् |
| (3) अर्बुदम् | (4) अब्जम् |

18P/252/24

15. भाज्यः येन अङ्केन विभज्यते स अङ्कः कथ्यते

- (1) अंशः (2) भागहारः
(3) भागफलम् (4) हारः

16. समद्विघातः उच्यते

- (1) घनः (2) घनमूलम्
(3) कृतिः (4) घातः

17. समत्रिघातः प्रदिष्ट

- (1) घनः (2) वर्गः
(3) मूलम् (4) अन्तरम्

18. $\frac{16}{32} + \frac{12}{32} =$ भवति

- (1) $\frac{7}{8}$ (2) 28 (3) $\frac{7}{32}$ (4) $\frac{28}{32}$

19. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{3} =$ भवति

- (1) $\frac{2}{5}$ (2) $\frac{1}{5}$ (3) $\frac{5}{5}$ (4) $\frac{1}{6}$

20. योगः अन्तरेण ऊनः युतश्च कार्यः, ततः तौ अर्धितौ कार्यौ, तदा राशी स्यानाम्।
इति किं गणितम्।

- (1) संक्रमणगणितम् (2) वर्गकर्म
(3) व्यस्तविधिः (4) व्यस्तत्रैराशिकम्

21. यस्य केन्द्रं भवति भूकेन्द्रं, तत्कथ्यते

- | | |
|-----------------|------------------|
| (1) लघुवृत्तम् | (2) दीर्घवृत्तम् |
| (3) महद्वृत्तम् | (4) भूवृत्तम् |

22. स्वयाम्योत्तरनाडीवृत्तसम्पातः कथ्यते

- | | |
|---------------|-------------------|
| (1) स्वदेशः | (2) खमध्यम् |
| (3) समस्थानम् | (4) स्वनिरक्षदेशः |

23. पश्चिमस्वस्तिकात् नवत्यंशचापेन कृतं वृत्तं भवति

- | | |
|-----------------------|---------------------|
| (1) याम्योत्तरवृत्तम् | (2) पूर्वापरवृत्तम् |
| (3) क्षितिजवृत्तम् | (4) नाडीवृत्तम् |

24. खमध्यात् नवत्यंशैः कृतं वृत्तं भवति

- | | |
|--------------------|-----------------------|
| (1) क्षितिजवृत्तम् | (2) नाडीवृत्तम् |
| (3) उन्मण्डलम् | (4) याम्योत्तरवृत्तम् |

25. क्षितिजवृत्ते भवत्येव

- | | |
|------------------|-----------------|
| (1) ध्रुवस्थानम् | (2) खमध्यम् |
| (3) समस्थानम् | (4) खस्वस्तिकम् |

26. नाडीक्रान्तिवृत्तयोः सम्पातः कथ्यते

- | | |
|---------------------|--------------|
| (1) गोलसन्धिः | (2) अयनसंधिः |
| (3) पूर्वस्वस्तिकम् | (4) खमध्यम् |

18P/252/24

27. ध्रुवप्रोते भवति

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) क्रान्तिः | (2) शरः |
| (3) विक्षेपः | (4) देशान्तरम् |

28. गोले वृत्तस्य केन्द्रं भवति

- | | |
|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |

29. सिद्धपुरी रोमकपत्तनं च स्तः

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (1) याम्योत्तरवृत्ते | (2) विषुवद्वृत्ते |
| (3) क्षितिजवृत्ते | (4) ध्रुवप्रोतवृत्ते |

30. स्पष्टलम्बनं भवति

- | | |
|------------------|--------------------|
| (1) दृग्वृत्ते | (2) क्रान्तिवृत्ते |
| (3) ग्रहक्षितिजे | (4) नाडीवृत्ते |

31. भुजकोटिवर्गयोगस्य मूलं भवति

- | | |
|---------------|-----------|
| (1) कर्णः | (2) लम्बः |
| (3) कर्णवर्गः | (4) आधारः |

32. $\frac{\text{लम्बः}}{\text{कर्णः}} = \text{भवति}$

(1) ज्या

(3) स्पर्शः

(2) कोज्या

(4) कोस्पर्शः

33. छेदनरेखा भवति

(1) $\frac{\text{आधारः}}{\text{लम्बः}}$

(3) $\frac{\text{कर्णः}}{\text{लम्बः}}$

(2) $\frac{\text{कर्णः}}{\text{आधारः}}$

(4) $\frac{\text{लम्बः}}{\text{आधारः}}$

34. ज्या² अ + कोज्या² अ = भवति

(1) त्रि² अ

(3) व्यास² अ

(2) कण² अ

(4) त्रयम्

35. $\sqrt{1 - \text{कोज्या}^2 \text{ अ}} = \text{भवति}$

(1) ज्या अ

(3) स्प अ

(2) कोज्या अ

(4) छे अ

36. एकस्मिन् वृत्ते पादाः भवन्ति

(1) 10

(2) 90

(3) 4

(4) 3

37. वृत्तकेन्द्रगामिनी परिधिद्वयलग्ना च ऋज्वी रेखा भवति

(1) व्यासः

(3) व्यासार्धम्

(2) त्रिज्या

(4) समसूत्रम्

38. $\frac{\text{परिधि:}}{\text{व्यास:}} = \text{भवति}$

(1) 3.14.....

(2) 2.14.....

(3) 4.14.....

(4) 5.14.....

39. $1 + \text{स्प}^2 \text{ अ} = \text{भवति}$

(1) ज्या² अ

(2) छे² अ

(3) कोछे² अ

(4) उज्या² अ

40. त्रिभुजे कोणत्रययोगः भवति

(1) 90

(2) 180

(3) 270

(4) 360

41. सूर्योदयात् जन्मसमयं यावत् व्यतीतः कालः भवति

(1) इष्टकालः

(2) भयातम्

(3) भभोगः

(4) पंक्तिः

42. नक्षत्रारम्भात् जन्मकालं यावत् जन्मनक्षत्रस्य व्यतीतं मानं कथ्यते

(1) भयातम्

(2) भभोगः

(3) सर्वर्क्षम्

(4) इष्टर्क्षम्

43. पंक्तिघटी-इष्टघटी = भवति

(1) धनचालनम्

(2) ऋणचालनम्

(3) मिश्रमानम्

(4) चालनफलम्

44. दिनमानम् + रात्र्यर्धम् = भवति

(1) रात्रिगतम्

(2) रात्रिमानम्

(3) अहोरात्रम्

(4) मिश्रमानम्

45. एकस्य नवांशस्य मानं भवति

- (1) 2.30 (2) 10 (3) 3.20 (4) 9

46. एकस्मिन् राशौ द्रेष्काणाः भवन्ति

- (1) द्वौ (2) त्रयः
(3) षट् (4) दश

47. दशमलग्नसाधने उपयुज्यते

- (1) नतकालः (2) इष्टकालः
(3) ग्रहगतिः (4) निरयणसूर्यः

48. मासे करणानि भवन्ति

- (1) 7 (2) 4(3) 11 (4) 60

49. सप्तविंशतियोगेषु अन्तिमः योगः अस्ति

- (1) विष्कुम्भः (2) वैधृतिः
(3) ब्रह्म (4) ऐन्द्रः

50. षड्वर्गेषु न परिणय्यते

- (1) सप्तमांशः (2) द्वादशांशः
(3) नवमांशः (4) गृहम्

51. वर्षफलस्य ग्रन्थः अस्ति

- (1) लघुजातकम् (2) गोलपरिभाषा
(3) नीलकण्ठी (4) सूर्यसिद्धान्तः

52. पुरुषराशिः अस्ति

- | | |
|----------|-----------|
| (1) वृषः | (2) कर्कः |
| (3) तुला | (4) मकरः |

53. द्विस्वभावरशिः अस्ति

- | | |
|------------|-----------|
| (1) मेषः | (2) वृषः |
| (3) मिथुनः | (4) कर्कः |

54. खखाभ्राष्टवेदाः भभोगेन भक्ताः किं भवति ?

- | | |
|----------------|--------------|
| (1) रविगतिः | (2) बुधगतिः |
| (3) चन्द्रगतिः | (4) राहुगतिः |

55. प्रत्येकं राशो हद्दाः भवन्ति :

- | | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| (1) 5 | (2) 6 | (3) 8 | (4) 2 |
|-------|-------|-------|-------|

56. पञ्चवर्गीयबलसाधने ग्रहस्य स्वगृहे बलं भवति

- | | | | |
|--------|--------|--------|--------|
| (1) 20 | (2) 30 | (3) 15 | (4) 10 |
|--------|--------|--------|--------|

57. शरीरवर्णचिह्नायुर्विचारः भवति

- | | |
|----------------|--------------|
| (1) द्वितीयात् | (2) सप्तमात् |
| (3) पञ्चमात् | (4) लग्नात् |

58. यदि जन्मलग्नं वृषराशिस्तदा तृतीये वर्षे मुथहालग्नं भविष्यति

- | | |
|-----------|------------|
| (1) वृषः | (2) मिथुनः |
| (3) कर्कः | (4) मेषः |

59. इक्कवालादयः योगाः सन्ति

- (1) 16 (2) 10 (3) 12 (4) 4

60. सहमानि भवन्ति

- (1) 16 (2) 50 (3) 51 (4) 20

61. षड्भिः प्राणैः भवति

- (1) नाडी (2) अहोरात्रम्
(3) विनाडी (4) सावनम्

62. नाडीषष्ट्या अहोरात्रं भवति

- (1) नाक्षत्रम् (2) सावनम्
(3) सौरम् (4) चान्द्रम्

63. सूर्योदयात् सूर्योदयं यावत् दिनं भवति

- (1) सौरम् (2) सावनम्
(3) चान्द्रम् (4) नाक्षत्रम्

64. एकस्मिन् दिव्यदिने सौरवर्षाणि भवन्ति

- (1) 1 (2) 360 (3) 2 (4) 60

65. एकस्मिन् महायुगे दिव्यवर्षाणि भवन्ति

- (1) 4,32,000 (2) 43,20,000
(3) 360 (4) 12000

18P/252/24

66. एकस्मिन् कल्पे मनवः भवन्ति

- (1) 14 (2) 15 (3) 4 (4) 7

67. कल्पादौ सन्धिमानं भवति

- (1) 15 (2) 71
(3) कृततुल्यम् (4) मनुतुल्यम्

68. अहर्गणः भवति

- (1) सौरः (2) चान्द्रः
(3) नाक्षत्रः (4) सावनः

69. सूर्येन्दुभगणान्तरम् मासाः भवन्ति

- (1) चान्द्राः (2) सौराः
(3) सावनाः (4) नाक्षत्राः

70. लम्बज्याघ्नस्त्रिजीवाप्तः भवति स्फुट

- (1) भूपरिधिः (2) भूव्यासः
(3) भूकर्णः (4) भूभारः

71. भरणीनक्षत्रस्य स्वामी अस्ति

- (1) अश्विनीकुमारः (2) यमः
(3) अग्निः (4) ब्रह्मा

72. मूलस्य प्रथमे पादे यदि जन्म तदा नाशः भवति
 (1) मातुः (2) पितुः
 (3) धनस्य (4) स्वाभिमानस्य
73. प्रतिपत्तिथेः स्वामी अस्ति
 (1) ब्रह्मा (2) अग्निः
 (3) गौरी (4) सर्पः
74. 3|8|13 तिथीनां संज्ञा अस्ति
 (1) नन्दा (2) भद्रा
 (3) जया (4) पूर्णा
75. शुक्रवासरे यदि नन्दा तिथिः भवति तदा योगः भवति
 (1) सिद्धयोगः (2) अमृतयोगः
 (3) मृत्युयोगः (4) मध्यमयोगः
76. भद्रायाः अपरं नाम अस्ति
 (1) विष्टिः (2) बालवः
 (3) चतुरंगिः (4) नागः
77. नष्टवस्तुनः शीघ्रप्राप्तिः भवति
 (1) अन्धाक्षनक्षत्रे (2) मन्दाक्षे
 (3) मध्याक्षे (4) सुलोचने

18P/252/24

78. सूर्यस्य एकराशितः अपरराशौ गमनं कथ्यते

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) पूर्णिमा | (2) संक्रान्तिः |
| (3) अमावास्या | (4) पुण्यकालः |

79. विप्राणां व्रतबन्धनम् उत्तमं भवति

- | | |
|------------------|-------------------|
| (1) अष्टमे वर्षे | (2) एकादशे वर्षे |
| (3) षोडशे वर्षे | (4) द्वादशे वर्षे |

80. वरकन्ययोः मेलापविचारे कूटानि विचार्यन्ते

- | | |
|-----------|----------|
| (1) पञ्च | (2) सप्त |
| (3) अष्टौ | (4) नव |

81. आर्यभटीये पादाः सन्ति

- | | |
|-------------|-----------|
| (1) चत्वारः | (2) द्वौ |
| (3) पञ्च | (4) त्रयः |

82. 'ख्युघृ' इति भगणाः सन्ति

- | | |
|------------|---------------|
| (1) रवेः | (2) चन्द्रस्य |
| (3) कुजस्य | (4) बुधस्य |

83. आर्यभटीये 'क' इत्यनेन कः अङ्कः स्वीक्रियते ?

- | | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| (1) 2 | (2) 1 | (3) 3 | (4) 4 |
|-------|-------|-------|-------|

84. आर्यभटीये कुट्टकगणितमस्ति

- | | |
|-------------------|----------------|
| (1) कालक्रियापादे | (2) गोपपादे |
| (3) गणित पादे | (4) न कुत्रापि |

85. वित्रिभलग्नस्य ज्या भवति

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) दृग्ज्या | (2) दृक्क्षेपः |
| (3) दृग्गतिः | (4) शंकुः |

86. दीर्घवृत्तस्य रचयिता अस्ति

- | | |
|---------------------|--------------------|
| (1) वापूदेवशास्त्री | (2) बलदेव मिश्रः |
| (3) सुधाकरद्विवेदी | (4) सम्पूर्णानन्दः |

87. दीर्घवृत्ते ऊर्ध्वाधरा भवति

- | | |
|--------------------|------------------|
| (1) अक्षरेखा | (2) लघुव्यासरेखा |
| (3) बृहद्व्यासरेखा | (4) न कापि |

88. दीर्घवृत्ते नाभिः भवति

- | | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| (1) 2 | (2) 1 | (3) 3 | (4) 4 |
|-------|-------|-------|-------|

89. नव्यानां मते ग्रहाः भ्रमन्ति

- | | |
|--------------|------------------|
| (1) वृत्ते | (2) दीर्घवृत्ते |
| (3) रेखायाम् | (4) वप्रक्षेत्रे |

18P/252/24

90. नाभिस्थानात् अक्षोपरि कृतो लम्बः यत्र विन्दौ स्पृशति स विन्दुः कथ्यते

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) मूलविन्दुः | (2) केन्द्रविन्दुः |
| (3) पृष्ठाविन्दुः | (4) बाह्यविन्दुः |

91. अक्षोर्निमेषस्य खरामभागः उक्तः

- | | |
|------------|-----------|
| (1) क्षणः | (2) अहः |
| (3) तत्परः | (4) धृतिः |

92. तत्परस्य शतांशः भवति :

- | | |
|------------|-------------|
| (1) कला | (2) काष्ठा |
| (3) निमेषः | (4) त्रुटिः |

93. एकस्मिन् ब्राह्मदिने कल्पस्य संख्या भवति :

- | | | | |
|-------|-------|--------|-------|
| (1) 2 | (2) 4 | (3) 10 | (4) 5 |
|-------|-------|--------|-------|

94. सम्प्रति ब्राह्मदिने मनवः व्यतीताः सन्ति :

- | | | | |
|-------|-------|--------|--------|
| (1) 7 | (2) 6 | (3) 10 | (4) 28 |
|-------|-------|--------|--------|

95. कालमानानि सन्ति

- | | |
|-------------|------------|
| (1) दश | (2) नव |
| (3) चत्वारि | (4) त्रीणि |

96. कुदिनं नाम :

- | | |
|---------------|------------------|
| (1) सावनदिनम् | (2) चान्द्रदिनम् |
| (3) सौरदिनम् | (4) दिव्यदिनम् |

97. खखेषुवेदषड्गुणाकृतीभभूतभूमयः शताहताः भवन्ति :

- | | |
|----------------|---------------|
| (1) विधुदिनानि | (2) सौरदिनानि |
| (3) भभ्रमाः | (4) भूदिनानि |

98. असड्क्रान्तिमासः भवति :

- | | |
|-----------------|-------------|
| (1) क्षयमासः | (2) सौरमास |
| (3) चान्द्रमासः | (4) अधिमासः |

99. यस्मिन् वर्षे क्षयमासः भवति तस्मिन् वर्षे अधिमासस्य संख्या भवति :

- | | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| (1) 2 | (2) 3 | (3) 1 | (4) 4 |
|-------|-------|-------|-------|

100. योजनसंख्यया कुपरिधिः प्रोक्तः

- | | |
|----------|---------------|
| (1) 4967 | (2) 1581 |
| (3) 360 | (4) इतः अन्यः |

101. कमलाकरमते सृष्ट्यारम्भो जातः

- | | |
|--------------------|---------------------|
| (1) लङ्कोदयकाले | (2) लङ्कामध्याह्नेव |
| (3) लङ्कार्धरात्रे | (4) लङ्कास्तकाले |

18P/252/24

102. कल्पे महायुगानि भवन्ति

- (1) 1000 (2) 360 (3) 28 (4) 108

103. कृतयुगमानमस्ति सौरवर्षप्रमाणेन

- (1) 12,96,000 (2) 17,28,000
(3) 8,64,000 (4) 4,32,000

104. सृष्ट्यारम्भे सर्वप्रथमं यत्र सूर्योदयो जातः सा नगरी अस्ति

- (1) लङ्का (2) यमकोटिः
(3) रोमकपत्तनम् (4) सिद्धपुरी

105. स्पष्टभूपरिधौ स्वदेशरेखाः देशयोः अन्तरं भवति

- (1) देशान्तरम् (2) अक्षांशः
(3) लम्बांशः (4) नतांशः

106. विषुवद्वृत्ते रोमकदेशात् पश्चिमे खालदत्तनगरं कियद्भिः अंशैः स्थितम् अस्ति ?

- (1) 22° (2) 90° (3) 112° (4) 45°

107. योजनात्मकमानेन सूर्यस्य बिम्ब व्यासः अस्ति

- (1) 6500 (2) 480 (3) 1600 (4) 800

108. 480 बिम्बव्यासमानमस्ति

- (1) चन्द्रस्य (2) सूर्यस्य
(3) बुधस्य (4) गुरोः

109. जात्यत्रिभुजे एकः कोणः निश्चयेन भवति

- (1) 45° (2) 90° (3) 60° (4) 30°

110. यत्र त्रिभुजद्वये त्रयोऽपि कोणाः परस्परं समाः भवन्ति ते उभेऽपि त्रिभुजे कथ्येते

- (1) सजातीये (2) समाने
(3) समकोणे (4) समभुजे

111. कालपुरुषस्य हृदयम् अस्ति

- (1) मेषः (2) सिंहः
(3) कर्कटः (4) मिथुनः

112. मीनराशिः कालपुरुषस्यास्ति

- (1) चरणम् (2) जानुः
(3) जङ्घः (4) मुखम्

113. वृषराशौ द्वितीयः नवांशः भवति

- (1) मेषस्य (2) कुम्भस्य
(3) मकरस्य (4) मीनस्य

114. कुम्भस्य स्वामी अस्ति

- (1) सूर्यः (2) गुरुः
(3) शनिः (4) शुक्रः

18P/252/24

115. तुलाराशौ पञ्चमः द्वादशांशः भवति-

- | | |
|--------------|------------|
| (1) कुम्भस्य | (2) वृषस्य |
| (3) मकरस्य | (4) मेषस्य |

116. विषमराशौ प्रथमः त्रिंशांशः भवति

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) सूर्यस्य | (2) चन्द्रस्य |
| (3) कुजस्य | (4) शनेः |

117. 1,4,10,7 इत्येतेषां भावानां संज्ञा अस्ति :

- | | |
|-----------|---------------|
| (1) पणफरः | (2) चतुष्टयम् |
| (3) उपचयः | (4) अपचयः |

118. सूर्यस्य नीचराशिः अस्ति :

- | | |
|-----------|-----------|
| (1) वृषः | (2) सिंहः |
| (3) कन्या | (4) तुला |

119. कालपुरुषस्य आत्मा अस्ति

- | | |
|-------------|------------|
| (1) भौमः | (2) सूर्यः |
| (3) चन्द्रः | (4) शनिः |

120. नवमे पञ्चमे च स्थाने ग्रहाणां दृष्टिः भवति

- | | |
|--------------------|------------------|
| (1) पूर्णदृष्टिः | (2) एकचरणदृष्टिः |
| (3) द्विचरणदृष्टिः | (4) पादोनदृष्टिः |

18P/252/24

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली/काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 30 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. सभी प्रविष्टियाँ प्रथम आवरण-पृष्ठ पर नीली/काली पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. ओ० एम० आर० उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक, केन्द्र कोड नम्बर तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० उत्तर पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० उत्तर पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको ओ० एम० आर० उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा की समाप्ति के बाद अभ्यर्थी अपना ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र परीक्षा कक्ष/हाल में कक्ष निरीक्षक को सौंप दे। अभ्यर्थी अपने साथ प्रश्न पुस्तिका तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र की प्रति ले जा सकते हैं।
13. अभ्यर्थी को परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।